डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22 वर्ष : 08 अंक : 06 मूल्य: 5 रुपए पृष्ठ : 4 R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

शिखर दृष्टि जीवन की... साप्ताहिक समाचार पत्र

हिलव्यू समाचार

शीर्षक सत्यापन पत्र संख्या RAJHIN16831/20/01/2013-TC

जयपुर >> बुधवार, 28 जुलाई, 2021

hillviewsamachar@gmail.com

औषधि नियंत्रण संगठन के 29 नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण कार्यक्रम

चिकित्सा संस्थानों को सुदृढ़ करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी: चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने कहा कि प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है। आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार माइक्रो लेवल पर काम कर रही है।

चिकित्सा मंत्री शुक्रवार को औषधि नियंत्रण संगठन के नए भवनों के लोकार्पण

कार्यक्रम को वर्चुअली सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विभाग के औषधि नियंत्रण संगठन के प्रदेश के 25 जिलों में नवनिर्मित 29 भवनों का लोकार्पण हुआ है। उन्होंने बताया कि 'स्ट्रैथनिंग ऑफ ड्रग रेग्यूलेटरी सिस्टम' योजना के तहत विभाग ने औषधि नियंत्रण संगठन के कार्यालयों में सिविल वर्क के लिए 9.62 करोड़ रूपए खर्च कर 25 जिलों में कार्यालय भवन तैयार किए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि एनएचएम के माध्यम से करवाए गए नवीन कार्यों के तहत औषधि नियत्रंण संगठन के मुख्यालय में 10 हजार वर्गफीट, एडीसी कार्यालय सेठी कालोनी में दो हजार पांसौ वर्गफीट, एडीसी कार्यालय भरतपुर, अलवर, सीकर, झुन्झुनू, सवाईमाधोपुर, कोटा, झालावाड़, पाली, उदयपुर, बांसवाड़ा, चित्तौडगढ़, बाड़मेर, चूरू, बीकानेर, जोधपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ, नागौर, अजमेर, भीलवाड़ा व टोंक में 1-1 हजार वर्गफीट एवं डीसीओ ऑफिस धौलपुर, दौसा, करौली, बूंदी, प्रतापगढ, डूंगरपुर, सिरोही, जैसलमेर एवं राजसमन्द में 500-500 वर्गफीट निर्माण कार्य करवाया गया है।

मंत्री पद से हट सकते हैं डोटासरा

अजमेर में रिजल्ट जारी करने के बाद बोर्ड अध्यक्ष से बोले शिक्षा मंत्री- मुझसे जो कराना है, करा लो, मैं दो-पांच दिन का मेहमान हूं

निजी संवाददाता

अजमेर। राजस्थान कांग्रेस में बड़े फेरबदल की हाईकमान की कवायद के बीच शिक्षा मंत्री और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने खुद के दो-पांच दिन के मेहमान होने की बात कही है। इसका वीडियो वायरल हो गया है। 24 जुलाई को अजमेर में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डीपी जारोली से डोटासरा कह रहे हैं- मुझसे जो कराना है करा लीजिए, मैं दो-पांच दिन का मेहमान हूं। डोटासरा के इस बयान को उनके मंत्री पद से हटने और केवल कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पद पर रहने से ही जोड़कर देखा जा रहा है।

शिक्षा मंत्री डोटासरा 24 जुलाई को अजमेर के राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के 12वीं के रिजल्ट जारी करने के लिए आए थे। रिजल्ट जारी करने के बाद डोटासरा बोर्ड अधिकारियों के साथ नाश्ता ले रहे थे, इस दौरान मीडिया के कैमरे चालू थे। इसी दौरान बोर्ड अध्यक्ष ने किसी फाइल को लेकर डोटासरा से जिक्र किया। उसी के जवाब में डोटासरा ने दो-पांच दिन के मेहमान होने की बात कही।

कैमरे में कैद हुआ पूरा घटनाक्रम, बोर्ड की रुकी फाइल के जिक्र पर डोटासरा ने कर दी खुद के हटने की भविष्यवाणी: रिजल्ट जारी करने के बाद के इस वीडियो में डोटासरा बोल रहे हैं- मेरे पास एक घंटे फाइल नहीं रुकेगी, आप सोमवार को आ जाओ। एक मिनट नहीं लगाऊंगा। मैं दो-पांच दिन का ही मेहमान हूं। मुझसे जो कराना है करा लो। इसके बाद बोर्ड अध्यक्ष डी. पी. जारोली ने हाथ जोड़कर कहा कि मैं आता हूं सर। यह बातचीत बोर्ड की किसी फाइल के बारे में हो रही थी जो मंत्री डोटासरा के पास पेंडिंग थी। बताया जाता है कि बोर्ड अध्यक्ष रीट परीक्षा, प्राइवेट स्टूडेंट की परीक्षाएं व सप्लीमेंट्री परीक्षा को लेकर बात कर रहे थे, संभव है फाइल भी इन्हीं मामलों की पेंडिंग हो।

संगठन में नंबर वन मंत्रिपरिषद में 12वें नंबर पर, इसलिए प्रदेशाध्यक्ष का प्रोटोकॉल भी टूट रहा: गोविंद सिंह डोटासरा को राज्य मंत्री रहते हुए ही कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया। डोटासरा प्रदेशाध्यक्ष होते हुए भी कैबिनेट में जूनियर हैं, उन्हें कैबिनेट मंत्री नहीं बनाया गया, उनसे सीनियर मुख्यमंत्री के अलावा 10 मंत्री और हैं। जानकारों के मुताबिक प्रदेशाध्यक्ष होने के बावजूद डोटासरा 10 मंत्रियों से जूनियर हैं और इसका असर कैबिनेट की बैठक से लेकर सरकार की कमेटियों तक साफ दिखता है। किसी भी बैठक में उनका बतौर सदस्य शामिल होने जाना प्रदेशाध्यक्ष के सियासी प्रोटोकॉल के खिलाफ होता है, लेकिन उन्हें साल भर से ऐसा करना पड़ रहा है। मंत्रिमंडल फेरबदल में डोटासरा ने अब खुद हटने के संकेत देकर नई चर्चा छेड़ दी है।

कांग्रेस में एक व्यक्ति एक पद फार्मूले के संकेत

पिछले साल बगावत पर सचिन पायलट को बर्खास्त करने के बाद गोविंद सिंह डोटासरा को शिक्षा मंत्री के साथ प्रदेशाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई थी, तब से उनके मंत्री पद से हटने की चर्चाएं चल रही हैं। साल भर से मंत्रिमंडल फेरदबल अटका हुआ है, इसलिए डोटासरा सत्ता और संगठन के दोनों पदों पर हैं। अब एक व्यक्ति एक पद के फार्मूले पर काम आगे बढ़ सकता है। हालांकि महाराष्ट्र कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष बाला साहेब थोराट भी मंत्री हैं, लेकिन राजस्थान के सियासी हालात को देख डोटासरा को संगठन के पद पर ही रखने की रणनीति है।

एक नज़र

जयपुर हेरिटेज मेयर कर्मचारियों पर भड़की

औचक निरीक्षण के दौरान अधिकारियों के चेंबर पर मिले ताले, बोलीं- जो समय पर नहीं आ सकता, उसकी जरूरत नहीं

जयपुर। जयपुर नगर निगम हेरिटेज की मेयर मुनेश गुर्जर के आज हेरिटेज मुख्यालय में हुए औचक निरीक्षण से कर्मचारियों-अधिकारियों में हड़कंप मच गया। मेयर मुख्यालय में आते ही कुछ अधिकारियों के चेंबर पर पहुंची। वहां सुबह 10 बजे तक ताले लटके मिले। अधिकारियों-कर्मचारियों की गैर उपस्थिति देखी तो मेयर भड़क गईं। उन्होंने सभी विभागों के कर्मचारियों के अटेंडेंस रजिस्टर्ड मंगवाए और देखे तो 40 फीसदी कर्मचारी गैरहाजिर मिले। इस पर उन्होंने दो टूक जवाब दिया कि जो कर्मचारी-अधिकारी समय पर नहीं आ सकते, उनकी यहां कोई जरूरत नहीं है।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सुबह 9 बजे तक हर हाल में कर्मचारियों-अधिकारियों को यहां आना पड़ेगा। मेयर के इस फरमान से कर्मचारी भी कंफ्यूज हो गए, क्योंकि दफ्तर की टाइमिंग सुबह 9:30 से शाम 6 बजे तक की है। ऐसे में कर्मचारियों में ये चर्चा रही कि क्या मेयर को ये तक नहीं पता कि दफ्तर की टाइमिंग क्या है?

दरअसल, कई दिनों से ये शिकायत मिल रही थी कि निगम हेरिटेज मुख्यालय में कर्मचारी-अधिकारी समय पर नहीं आ रहे। यही स्थिति आज भी मेयर को देखने पर मिली। सुबह करीब 10 बजे जब मेयर निगम मुख्यालय पहुंची तो वहां 40 फीसदी कर्मचारी-अधिकारी गैरहाजिर मिले। उन्होंने हेल्पलाइन सेंटर और अन्य अधिकारियों के चेंबर में जाकर देखा तो न तो अधिकारी मिले और न ही उनका सपोर्टिंग स्टाफ। इसे देख मेयर मुनेश भड़क गईं और अपने चेंबर में पहुंचकर सभी शाखाओं के कर्मचारियों के उपस्थिति रजिस्टर्ड मंगवाए और उनको चेक किया। इस पर 40 फीसदी कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज नहीं दिखी।

राजस्थान में कई मंत्रियों की होगी छुट्टी

विवादित और खराब परफॉर्मेंस वालों का जाना तय, विभाग भी बदले जाएंगे, कांग्रेस हाईकमान के पास कई के खिलाफ गंभीर शिकायतें

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट खेमों के बीच जारी खींचतान के बीच कांग्रेस हाईकमान ने पंजाब के बाद अब राजस्थान पर फोकस करना शुरू कर दिया है। हाईकमान सत्ता और संगठन की ओवरहॉलिंग की तैयारी में जुट गया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और अजय माकन इसे मूर्त रूप देने में सक्रिय हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस बार मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल की तैयारी है। कमजोर परफॉर्मेंस और विवादित छवि वाले मंत्रियों की छुट्टी तय मानी जा रही है। कांग्रेस हाईकमान के पास कई मंत्रियों के खिलाफ गंभीर शिकायतें पहुंची हैं। कांग्रेस हाईकमान ने गहलोत-पायलट के बीच बैलेंस के साथ आने वाले चुनावों को ध्यान में रखकर मंत्रिमंडल फेरबदल पर काम करने का टास्क दिया है। बताया जाता है कि वेणुगोपाल और प्रभारी अजय माकन को हाईकमान ने इसी टास्क पर जयपुर भेजा था, ताकि समय से मुख्यमंत्री को पार्टी की रणनीति के बारे में अवगत करा दिया जाए। इस बार सोनिया गांधी और राहुल गांधी के अलावा प्रियंका गांधी का भी दखल रहेगा, ऐसा माना जा रहा है।

एक व्यक्ति एक पद: कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को शिक्षा मंत्री पद से हटाना तय माना जा रहा है। दो दिन पहले अजमेर बोर्ड अध्यक्ष से बातचीत में भी डोटासरा खुद के मंत्री पद से हटने के संकेत दे चुके हैं। इसका वीडियो भी खूब वायरल हो रहा है। इससे साफ है कि एक व्यक्ति, एक पद की नीति पर पार्टी चलने वाली है।

कुछ को संगठन में जिम्मेदारी: कुछ मंत्रियों को मंत्रिमंडल से हटाकर संगठन में जिम्मेदारी दिए जाने के फॉर्मूले पर भी चर्चा हो रही है। स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा, राजस्व मंत्री हरीश चौधरी, परिवहन मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास, महिला बाल विकास मंत्री ममता भूपेश को संगठन में जिम्मेदारी दिए जाने की चर्चा है। हरीश चौधरी पहले भी संगठन में काम करने की इच्छा जता चुके हैं। हरीश चौधरी के साथ बाड़मेर के अलावा राजनीति से जुड़े कई विवाद भी जुड़े हुए हैं।

खनन और वन मंत्री विवादों में: खनन मंत्री प्रमोद जैन भाया और वन राज्य मंत्री सुखराम बिश्नोई को विवादों के चलते बदलने की चर्चाएं हैं। भाया के खिलाफ हाईकमान के पास भी विभाग से जुड़ी गंभीर शिकायतें पहुंचीं हैं। विधायक भरत सिंह ने लंबे समय से मोर्चा खोल रखा है। वन राज्य मंत्री सुखराम बिश्नोई और सीएम के संबंध भी सहज नहीं हैं। सुखराम बिश्नोई के ड्रॉप होने से बचने का एक सियासी संयोग है, वे एकमात्र विश्नोई मंत्री हैं और दूसरे विश्नोई विधायक पहली बार जीते हुए हैं, इसलिए सुखराम ड्रॉप होने से बच भी सकते हैं।

इन मंत्रियों को बदला जा सकता है: भजनलाल जाटव और अर्जुन सिंह बामणिया परफॉर्मेंस और राजनीतिक समीकरणों के वजह से बदले जा सकते हैं। अर्जुन बामणिया के जिले और बागड़ क्षेत्र में कांग्रेस कमजोर है। बीटीपी का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। भजनलाल जाटव भी परफॉर्मेंस और सियासी समीकरणों के चलते बदले जा सकते हैं। बदलने वालों में भंवरसिंह भाटी का भी नाम है, लेकिन भाटी पर कोई आरोप नहीं है। अगर बसपा से कांग्रेस में आए विधायक राजेंद्र गुढ़ा मंत्री बनते हैं तो ही भाटी बदले जा सकते हैं।

ये मंत्री हो सकते हैं बाहर

गोविंद सिंह डोटासरा	प्रमोद जैन भाया	सुखराम बिश्नोई	उदय लाल आंजना
शिक्षा राज्य मंत्री	खनन मंत्री	वन मंत्री	सहकारिता मंत्री
क्यों: एक व्यक्ति एक पद के तहत	क्यों: विवादों में हैं, सीएम से संबंध ठीक नहीं	क्यों: बेटे के कारण विवादों में, सीएम से संबंध ठीक नहीं	क्यों: पायलट खेमे ने हाथ खींचा, गहलोत गुट भी नाराज

मंत्रिमंडल की मेगा सर्जरी

कांग्रेस हाईकमान ने राजस्थान सरकार के कामकाज पर पब्लिक परफॉर्मेंस और आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनाव के हिसाब से आकलन कराया है। कांग्रेस हाईकमान के पास यह फीडबैक है कि मौजूदा टीम में बदलाव किए बिना पार्टी को नुकसान होगा। विवादित मंत्रियों की रिपोर्ट भी हाईकमान के पास पहुंची है। इन सब फैक्टर्स को देखते हुए बड़े पैमाने पर फेरबदल तय माना जा रहा है। प्रभारी अजय माकन 28 और 29 जुलाई को विधायकों से रायशुमारी करने के लिए आ रहे हैं। इसको भी सत्ता संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी के रूप में ही देखा जा रहा है।

पेगासस जासूसी केस में सरकार के ख़िलाफ़ प्रदर्शन

कांग्रेस ने जयपुर में राजभवन पर दिया धरना, राज्यपाल को बताया मोदी का एजेंट, प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने कहा- केंद्र सरकार ने सबसे बड़े जासूस का दर्जा हासिल किया

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। पेगासस जासूसी केस में सुप्रीम कोर्ट से न्यायिक जांच और नागरिकों की निजता के हनन को लेकर राजस्थान में कांग्रेस ने मोदी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। गुरुवार को कांग्रेस ने सिविल लाइंस में राजभवन का घेराव कर धरना दिया। धरनास्थल पर अपने संबोधन में राजस्थान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि मोदी सरकार ने सत्ता के दूसरे फेज में जासूसी करवाने का ऐसा काम किया, जो इससे पहले देश में कभी नहीं हुआ। उन्होंने संवैधानिक संस्थाएं हो, राजनीति हो, चाहे मीडिया हो। सबकी जासूसी करवाकर विश्व में सबसे बड़े जासूस होने का गौरव प्राप्त कर लिया। संविधान में निजता का अधिकार है। इसके लिए कानून बना है। किसी का फोन नहीं टेप किया जाएगा। डोटासरा ने कहा कि मोदी-शाह की सरकार ने पेगासस सॉफ्टवेयर खरीदा। फिर सबके ऊपर पहरेदारी बैठाई। फोन टेपकर अपने खुद के मंत्रियों, पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेताओं की निजी बातों को सुना गया। इसलिए कांग्रेस पार्टी पेगासस जासूसी केस में सुप्रीम कोर्ट से न्यायिक जांच की मांग करती है।

डोटासरा ने आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार ने पहले अपनी पार्टी के ही दिग्गज नेताओं को घर बैठाने का काम किया। सैकंड फेज में मोदी सरकार ने सेना के शौर्य के पीछे छुपकर सत्ता में आ गए। अपने वादों को भुला दिया। जब सरकार के अलावा किसी और को सॉफ्टवेयर को नहीं मिल सकता तो फिर कौन यह जासूसी करवा रहे है। केंद्र सरकार इसका खुलासा करे।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों से मिलेगी राहत!

जयपुर में 11 सीएनजी पंप खोलने की तैयारी, राजस्थान में 150 से ज्यादा पंप खोले जाएंगे, अभी कीमत 61 रुपए प्रति किलो

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। बढ़ती पेट्रोल-डीजल की कीमतें अब लोगों को अखरने लगी है। पेट्रोल की कीमतों के 100 रुपए के पार हो जाने और डीजल की कीमते भी 100 रुपए के नजदीक आने से लोगों का बजट गड़बड़ाने लगा है। ऐसे में अब लोग कम खर्च में गाड़ी चलाने के विकल्प देख रहे हैं। ऐसे लोगों के लिए राहत की खबर है। पेट्रोलियम कंपनियां जल्द ही जयपुर में 11 नए स्थानों पर सीएनजी के पंप खोलने की तैयारी कर रही है। वर्तमान में जयपुर में केवल एक ही सीएनजी का पंप है।

दरअसल टोरेंट और अडाणी कंपनी के बीच चल रहा मामला सुलझने के बाद अब जयपुर सहित राजस्थान में सीएनजी पंप खुलने का रास्ता साफ हो गया है। इन दोनों कंपनियों के बीच मामला करीब दो साल से लंबित चल रहा था, जो अब सुलझ गया है। ऐसे में अब जयपुर सहित प्रदेश के अन्य शहरों में सीएनजी पंप खोलने के काम तेजी से होगा। अभी तक जयपुर में सिर्फ दिल्ली बाइपास स्थित

कूकस में एक सीएनजी पंप है, जहां हर समय गाड़ियों की लंबी कतारें लगी रहती हैं। लोगों को गाड़ी में सीएनजी भरवाने के लिए लम्बा इंतजार करना पड़ता है, लेकिन अब जयपुर में 11 सीएनजी पंप खुलने से इन लोगों को राहत मिलेगी। पहले चरण में जयपुर में 11 सीएनजी स्टेशन खुलेंगे। इन पंपों को खोलने का जिम्मा टोरेंट गैस प्राइवेट लिमिटेड का है।

आवेदन प्रक्रिया शुरू: इंडियन ऑयल कंपनी के कार्यकारी निदेशक सुनील गर्ग का कहना है माने तो वर्तमान में राजस्थान में 67 सीएनजी पंप चालू हैं। इसमें से जयपुर में एक हैं। अब नए पंपों के लिए आवेदन की प्रकिया शुरू कर दी गई हैं। जयपुर-अजमेर हाइवे और जयपुर-दिल्ली हाइवे पर दस स्टेशन शुरू होने जा रहे हैं। वहां अभी टैंकर्स से सीएनजी सप्लाई की जाएगी। राजस्थान में 150 से ज्यादा पंप खोलने की योजना हैं। जयपुर शहर सहित प्रदेश के अधिकांश शहरों में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के कारण लोगों का अब सीएनजी गाड़ियों की तरफ रूझान बढ़ने लगा है।

61 रुपए में मिलती है एक किलो सीएनजी: सीएनजी से चलने वाली गाड़ियों का माइलेज पेट्रोल-डीजल वाली गाड़ियों की तुलना में ज्यादा होता है। वहीं सीएनजी की गाड़ियों से पेट्रोल-डीजल की गाड़ियों की तुलना बहुत कम पॉल्यूशन होता है। जयपुर के कूकस पंप पर वर्तमान में सीएनजी एक किलो 61 रुपए में मिलती हैं, जिससे करीब 30 किलोमीटर गाड़ी चलती है, जबकि डीजल के दाम 99 रुपए हैं और माइलेज भी 15 से 20 का ही आता हैं। इसलिए कई लोग अपनी गाड़ी थोड़ा पैसा बचाने के लिए कुछ देर लाइन में लगकर सीएनजी ही गाड़ी में भरवाते हैं। जयपुर में अभी सीएनजी गाड़ियों के शोरूम तो हैं, लेकिन एक पंप होने के चलते सीएनजी गाड़ियां खरीदने वालों की संख्या कम हैं, जो दिल्ली, अलवर, कोटा, बारां की तरफ जिनका रूट होता है वो ही इन गाड़ियों का इस्तेमाल करते हैं। क्योंकि दिल्ली के साथ ही कोटा, अलवर, बारां, धौलपुर में सीएनजी के 15 से ज्यादा पंप है। जहां आसानी से सीएनजी मिल जाती है। ऐसे में एक साथ फिलिंग स्टेशन खोले जाने के बाद गाड़ियों की बिक्री भी बढ़ेगी और लोगों को राहत भी मिलेगी।

जयपुर में यहां पंप खुलने की योजना: जयपुर में कंपनी फिलहाल वैशाली नगर, मानसरोवर में राजावत फार्म से सेंट एंसलम स्कूल के बीच, मुरलीपुरा से नाहरी का नाका के बीच, दादी का फाटक तक एरिया चिह्नित किया है। इसके अलावा मालवीय नगर में कैलगिरी रोड को छोड़कर पूरे इलाके में एक जगह पर पंप खोला जाएगा। जगतपुरा में महल रोड पर बालाजी रोड, मॉडल टाउन से हल्दीघाटी मार्ग जगतपुरा तक सड़क के दोनों और एक जगह चिन्हित की जाएगी।

संपादकीय

नए मिज़ाज़ वाली न्यायपालिकाः उसे झेलनी पड़ेगी अदालत की तपिश, जो सुप्रीम कोर्ट के नए मिजाज को भांपने में रहेगा नाकाम

देश की शीर्ष अदालत नागरिकों से जुड़े मूल अधिकारों के संरक्षण को लेकर निरंतर रूप से अपनी प्रतिबद्धता दिखाती आई है। वहीं राज्य और उनकी पुलिस आतंक विरोधी कानूनों की आड़ में ऐसे फैसले लेने पर तुली हैं, जिनसे लोगों का जीवन जोखिम में पड़ रहा है। इस सिलसिले में यदि मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना सहित कुछ न्यायाधीशों की हालिया टिप्पणियों पर गौर करें तो प्रतीत होता है कि राजनीतिक विरोधियों को आतंकित करने और आलोचकों को खामोश करने के लिए राज्य सरकारें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून यानी रासुका और ऐसे अन्य कानूनों का और उपयोग नहीं कर पाएंगी। इतना ही नहीं कोरोना महामारी जैसी आपदा के बीच शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि वह राज्य सरकारों के ऐसे फैसलों पर आंखें नहीं मूंदे रहेगी, जिनके जरिये सरकारें किसी वर्ग की धार्मिक या अन्य भावनाओं का तुष्टीकरण करने में लगी हों। तमाम हाई कोर्ट भी हाल में संकेत दे चुके हैं कि अगर सरकारों ने अपनी कार्यशैली न बदली तो अदालतें मूकदर्शक नहीं बनी रहेंगी। बीते दिनों मणिपुर में एक एक्टिविस्ट की रिहाई के निर्देश से लेकर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा को लेकर सख्ती और बकरीद से पहले केरल सरकार को देर से ही सही, तगड़ी लताड़ लगाना अदालत के नए मिजाज और तेवरों को दर्शाता है।

रासुका के तहत गिरफ्तार मणिपुर के एक्टिविस्ट लिचोबाम की तत्काल रिहाई के आदेशः इस कड़ी में सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर के एक एक्टिविस्ट इरेंद्रो लिचोबाम की तत्काल रिहाई के आदेश दिए। लिचोबाम को मणिपुर सरकार ने रासुका के तहत गिरफ्तार किया था। दरअसल उन्होंने कोविड-19 से हुई मणिपुर के भाजपा अध्यक्ष की मौत को गाय के गोबर और गोमूत्र से जोड़कर फेसबुक पर एक टिप्पणी लिखी थी। लिचोबाम ने लिखा था कि कोरोना का उपचार गोबर या गोमूत्र में नहीं, बल्कि विवेक और विज्ञान में निहित है। इस पोस्ट के बाद वह गिरफ्तार कर लिए गए और करीब दो महीने जेल में रहे। मीडिया में आई खबरों के अनुसार जब यह मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष आया तो जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और एमआर शाह की पीठ ने लिचोबाम की तुरंत रिहाई के आदेश में कहा कि हम ऐसे व्यक्ति को एक दिन के लिए भी जेल में नहीं रख सकते। पीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह फैसले के दिन ही पांच बजे से पहले बंदी की रिहाई के आदेश का पालन सुनिश्चित करे। निःसंदेह लिचोबाम की पोस्ट में गरिमा का अभाव था, क्योंकि यह कोरोना के शिकार हुए एक मृतक के विषय में थी, लेकिन क्या यह राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के उल्लंघन में गिनी जा सकती थी।

कांवड़ यात्रा पर स्वतः संज्ञान लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पुनर्विचार करने को कहाः इसके बाद कांवड़ यात्रा का मुद्दा आया, जिस पर अदालत ने स्वतः संज्ञान लिया। कांवड़ यात्रा में श्रद्धालु अमूमन हरिद्वार से गंगाजल लेकर सैकड़ों किलोमीटर लंबी यात्रा कर अपने गंतव्य तक जाते हैं और वहां शिव मंदिर में गंगाजल से अभिषेक के साथ यह यात्रा संपन्न होती है। गत वर्ष कोरोना के कारण यात्रा प्रतिबंधित हो गई थी। हालांकि इस बार उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश ने यात्रा की अनुमति के शुरुआती संकेत दिए। बहरहाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो-टूक कह दिया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य को लेकर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। इसके बाद उत्तराखंड सरकार ने यात्रा रद कर दी। फिर भी उत्तर प्रदेश सरकार

इसे लेकर हीलाहवाली ही करती दिखी। आखिरकार सुप्रीम कोर्ट को दखल देना पड़ा। जस्टिस आरएफ नरीमन और बीआर गवई ने इस मसले को उठाकर उत्तर प्रदेश सरकार से पुनर्विचार के लिए कहा। इस पर पीठ ने यही कहा कि भारत के नागरिकों का स्वास्थ्य और अनुच्छेद 21 में उल्लिखित जीवन का अधिकार सर्वोपरि है। न्यायाधीशों ने कहा कि जीवन का अधिकार सबसे बुनियादी मूल अधिकार है और अन्य सभी भावनाएं इसके समक्ष गौण हैं। उन्होंने कहा कि महामारी ने सभी को प्रभावित किया और अनुच्छेद 21 ही सभी को संरक्षा प्रदान करता है। अदालत ने राज्य सरकार को निर्णय पर पुनर्विचार के लिए समय दिया।

यूपी सरकार ने कांवड़ यात्रा रद करने का किया एलानः राज्य सरकार भी तुरंत लाइन पर आ गई और उसने यात्रा रद करने का एलान किया। इस बीच अदालत के समक्ष एक और मसला आ गया। यह केरल से जुड़ा था, जहां राज्य सरकार ने बकरीद से पहले बंदिशों में कुछ छूट दी थी ताकि लोग त्योहार पर खरीदारी कर सकें। अदालत ने महामारी के दौर में रियायतें देने को लेकर दबाव के आगे झुकी सूबे की सरकार को आड़े हाथों लिया। साथ ही चेताया भी कि इन रियायतों के कारण राज्य में महामारी का प्रसार हुआ तो संबंधित निर्णय लेने वालों के खिलाफ अदालत कार्रवाई करेगी।

आपराधिक कानूनों का नागरिकों द्वारा की गई आलोचना को दबाने में उपयोग नहीं किया जाना चाहिएः कुछ दिन पहले अमेरिकन बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में जस्टिस चंद्रचूड़ ने नागरिकों के मूल अधिकारों की रक्षा में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका और दायित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आतंक विरोधी कानूनों सहित आपराधिक कानूनों का नागरिकों द्वारा की गई आलोचना को दबाने या उनके उत्पीड़न में उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां कार्यकारी और विधायी कदमों से नागरिकों के मूल मानवाधिकारों का उल्लंघन हो वहां संविधान के संरक्षक के रूप में सुप्रीम कोर्ट को आगे आना होगा।

सीजेआई ने कहा- कानूनों की न्यायिक समीक्षा न्यायपालिका के मुख्य कार्यों में से एकः कुछ हफ्ते पहले एक अन्य कार्यक्रम में मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने भी इस संदर्भ में कहा कि विद्वानों के अनुसार कोई कानून तब तक कानून के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता जब तक कि वह न्याय और समानता के सिद्धांतों से आबद्ध न हो। 'सशक्त स्वतंत्र न्यायपालिका' के महत्व पर जोर देते हुए जस्टिस रमना ने कहा कि न्यायपालिका को ही यह जिम्मेदारी मिली है कि वह यह सुनिश्चित करे कि जो कानून प्रवर्तित किए जा रहे हैं क्या वे संविधान के अनुरूप हैं या नहीं। ऐसे में कानूनों की न्यायिक समीक्षा न्यायपालिका के मुख्य कार्यों में से एक है।

चीफ जस्टिस रमना ने कहा- संविधानवाद के संरक्षण का दायित्व केवल अदालतों के ही जिम्मे हैः रमना ने आगे यह भी कहा, 'न्यायपालिका के महत्व से हमें उस तथ्य को अनदेखा नहीं करना चाहिए कि संविधानवाद के संरक्षण का दायित्व केवल अदालतों के ही जिम्मे है। राज्य व्यवस्था के तीनों अंगों कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका तीनों संवैधानिक भरोसे के बराबर भागीदार हैं।' ऐसे आदेशों और टिप्पणियों से शीर्ष अदालत का मंतव्य एकदम स्पष्ट है। वह यही कि जो भी उच्चतर न्यायपालिका के नए मिजाज को भांपने में नाकाम रहेगा, उसे देर-सबेर उसकी तपिश तो झेलनी ही पड़ेगी।

स्मार्ट रिंग में 3D टेक्नोलॉजी

अंगूठी बनी घर की चाबी

प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी को कंपोजिट और कास्टिंग करने वाली फ्राउनहोफर इंस्टीट्यूट ने एक स्मार्ट रिंग बनाया है. इस स्मार्ट रिंग से बिना चाबी के घर का दरवाजा खोल सकते हैं. साथ ही वॉलेट या हेल्थ इंश्योरेंस कार्ड भी रख सकते हैं. इस रिंग के अंदर **RFID** स्मार्ट चिप लगी हुई है. रिसर्चर ने पाया है कि इससे शॉपिंग के दौरान पेमेंट भी किया जा सकता है. साथ ही यह स्मार्ट दरवाजे को खोल सकती है. इसकी चिप में मेडिकल डेटा सेव किया जा सकता है, जिससे इमर्जेंसी हालत में इसको पहनने वाले व्यक्ति का ब्लड ग्रुप का पता लगा सकते हैं.

रिंग को 3D प्रिंटिंग प्रोसेस से बनाया गया है, जो कि RFID चिप से लैस है. इसे बड़ी सावधानी पूर्वक परत-दर-परत तरीके से बनाया गया है. इसको बनाने में मेटल का इस्तेमाल किया गया है. रिसर्चर ने मेटल से इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिग्नल चिप तक पहुंचाने के लिए फ्रेक्वेंसी 125 किलोहर्ट्ज रखी है. साथ ही इसे बनाने वाली टीम ने चिप को इस तरह बनाया है कि मेटल की साइज 1 मिलीमीटर हो, तब भी सिग्नल नहीं रुकेगा.

एक चार्जर से चार्ज होंगे मल्टिपल डिवाइस

शाओमी ने भारतीय बाजार में **Mi** 67 वॉट सोनिकचार्ज 3.0 फास्ट चार्जर लांच कर दिया है. ये सिंगल चार्जर सभी के लिए फ्यूल का काम करेगा. यानी इससे मल्टिपल डिवाइस जैसे स्मार्टफोन, लैपटॉप, फिटनेस ट्रैकर, स्मार्टवॉच, टैबलेट समेत दूसरे **USB** टाइप-**C** प्रोडक्ट्स को चार्ज किया जा सकेगा. हालांकि, एक बार में एक ही डिवाइस को चार्ज किया जा सकेगा. ये चार्जर 67 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करता है. इसमें क्वालकॉम की क्विक चार्ज 3.0 टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है.

चार्जर में गुणवत्ता, सुरक्षा और विश्वसनीयता मानकों को पूरा करने के लिए बिल्ट-इन सर्ज प्रोटेक्शन दिया है. चार्जर 100-120V का इनपुट लेता है और 67W का आउटपुट प्रदान करता है. इसकी बॉडी पॉलीकार्बोनेट मटेरियल से बनी है. इसे ब्यूरो ऑफ इंडियन सर्टिफिकेशन (BIS) सर्टिफिकेट मिला है. कंपनी का कहना है कि 67 वॉट के चार्जर से 5000mAh बैटरी वाले स्मार्टफोन को महज 36 मिनट में फुल चार्ज किया जा सकेगा. ऐसे में जिन यूजर्स ने Mi 11 अल्ट्रा स्मार्टफोन खरीदा है, वो इसकी तरफ जा सकते हैं, क्योंकि इस फोन के साथ 55 वॉट का चार्जर मिल रहा है. ये चार्जर 5000mAh की बैटरी को घंटे भर में चार्ज करता है. कंपनी का कहना है कि ये उन डिवाइस को तेजी से चार्ज करेगा, जिनकी बैटरी क्विक चार्ज टेक्नोलॉजी को सपोर्ट करती है. इससे उन डिवाइस को भी चार्ज किया जा सकेगा जो माइक्रो USB टाइप-C पोर्ट को सपोर्ट करते हैं. इसके लिए यूजर अपने नॉर्मल चार्जर की केबल को 67 वॉट के एडॉप्टर में फिक्स कर सकते हैं.

नुकसान

ये क्विक चार्जर है जो डिवाइस में 67W का आउटपुट देता है. इसे उन डिवाइस में कनेक्ट किया जाता है जो 5 या 10 वॉट की चार्जिंग को सपोर्ट करती हैं, तब उन डिवाइस को नुकसान पहुंच सकता है. चार्जिंग से बैटरी गर्म हो सकती है. डिवाइस के दूसरे कम्पोनेंट को नुकसान हो सकता है. यहां तक कि डिवाइस के फटने की आशंका भी हो सकती है. जिन डिवाइस में 25 से 50 वॉट या उससे ज्यादा वॉट की चार्जिंग सपोर्ट दी है, उन्हें इस चार्जर से खतरा नहीं होगा. हालांकि, चार्जिंग के दौरान इन डिवाइस को लंबे समय तक नहीं छोड़ सकते हैं. घंटे भर की चार्जिंग के बाद चार्जर को डिवाइस से अलग कर लें.

नींद में निगरानी करेगा रडार सिस्टम

बॉडी फैट का पता चलेगा

अमेजन डॉट कॉम अब कंज़ूमर्स की नींद पर नजर रखने के लिए रडार सिस्टम का इस्तेमाल करेगा. इसके लिए उसने **US** की परमिशन ले ली है. इससे कंपनी को यूजर्स की गति समझने और यूजर्स ने कितनी नींद ली है, पता चल जाएगा. अमेजन ने एयरवेव को रेगुलेट करने वाली संस्था **FCC** (फेडरल कम्यूनिकेशन कमीशन) से रडार इस्तेमाल करने परमिशन ली है.

कंपनी ने कहा कि ये टेक्नोलॉजी 3 स्टेप में गति को पकड़ती है. इसमें यूजर्स आसान इशारों और मूवमेंट के जरिए इसके फीचर को कंट्रोल कर सकते हैं. अमेजन के अनुसार यह गतिशीलता, भाषण और स्पर्श जैसी दुर्बलताओं में लोगों की मदद कर सकती है. साथ ही यह हाई डिग्री की एक्युरेसी के साथ नींद की निगरानी कर सकती है. स्लीप ट्रैकिंग में रडार सेंसर के इस्तेमाल से जागरूकता और नींद के टाइमिंग में सुधार हो सकता है. इससे लोग कई बीमारी से बच सकते हैं. रडार सेंसर यूजर्स को नींद आने की वजहों को जानने में मदद करेगा. यह टेक्नोलॉजी किस डिवाइस में काम करेगी, इस बात का अमेजन ने खुलासा नहीं किया है. लेकिन इस बात को कंफर्म कर दिया है कि यह मोबाइल डिवाइस के लिए नहीं होगा.

गेमिंग हेडसेट

लॉजिटेक G ने वायर्ड गेमिंग हेडसेट और सेनहाइजर HD25 ने DJ हेडफोन लांच किया है. जहां लॉजिटेक G-335 गेमिंग एक्सपीरियंस को बढ़ाएगा, वहीं सेनहाइजर HD25 DJ लवर को खुश करेगा. लॉजिटेक G-335 गेमिंग हेडसेट का वजन 240 ग्राम है. G-335 को छोटा फिटिंग वाला और पतला डिजाइन किया गया है.

गेमिंग हेडसेट में लंबे समय तक कंफर्ट के लिए सिर के के हिसाब से एडजस्टेबल सस्पेंशन लगाया गया है. इसके लिए हेडबैंड डिजाइन और सॉफ्ट-फैब्रिक ईयर पैड मैटेरियल का इस्तेमाल किया गया है. इसमें 3.5 मिमी. ऑडियो जैक के जरिए किसी भी गेमिंग प्लेटफॉर्म के साथ आसान प्लग एंड प्ले कैपेसिटी मिलती है. वहीं सेनहाइजर HD 25 का वजन 140 ग्राम है, जो कि बहुत हल्का है. इसे DJ लवर के साथ DJ, फोटोग्राफी वाले प्रोफेशन के लिए खास तौर से बनाया गया है. इसमें सिर्फ एक ईयर हेडफोन को भी एक्टिव करने का फीचर मिलता है. साथ ही इसके एक हेडफोन को घुमा भी सकते हैं. यह बैकग्राउंड नॉइज को कम कर देता है.

टीवी में अल्ट्रा ब्राइट डिस्प्ले

ब्लॉपंक्ट ने साइबरसाउंड सीरीज का 43-इंच 4K एंड्रॉइड टीवी लांच किया है. जर्मन इंजीनियरिंग से लैस इस टीवी में प्रीमियम डिस्प्ले और 60 वॉट का दमदार साउंड दिया है. ये गूगल के लेटेस्ट एंड्रॉइड ऑपरेटिंग सिस्टम पर काम करता है. सामने की तरफ इसमें पतले बेजल दिए हैं, जिसकी वजह से इसका डिस्प्ले एरिया काफी बड़ा दिखता है. नीचे की तरफ जहां कंपनी की ब्रांडिंग है, वो एरिया भी काफी स्लिम है. यानी चारों तरफ से टीवी स्टाइलिश नजर आता है. इसके बैक साइड की बात की जाए, तो वॉल माउंट वाले सेक्शन में एक तरफ कनेक्टिविटी पोर्ट और दूसरी तरफ पावर कनेक्शन पोर्ट दिया है. टीवी में 43-इंच का 4K डिस्प्ले दिया है, जिसका रेजोल्यूशन 3840 x 2160 पिक्सल है. ये अल्ट्रा ब्राइट डिस्प्ले क्वालिटी को सपोर्ट करता है. ऐसे में टीवी से मिलने वाले वीडियो का आउटपुट काफी प्रीमियम हो जाता है. इस टीवी में बेहतर डिस्प्ले के लिए फुल HD वीडियो होना चाहिए, क्योंकि SD क्वालिटी का वीडियो काफी पिक्सलाइड हो जाता है. इसमें विविड, स्टैंडर्ड, स्पोर्ट्स, मूवी और यूजर के 5 मोड दिए हैं. यानी आप डे-नाइट या रूम की रोशनी के हिसाब से इन मोड का इस्तेमाल कर सकते हैं. टीवी में मीडियाटेक ARM कोरटैक्स A53 प्रोसेसर दिया है. प्रोसेसर को 2GB रैम के साथ जोड़ा गया है. इस कॉम्बिनेशन के चलते इसकी स्पीड काफी फास्ट हो जाती है. इसमें 8GB इंटरनल स्टोरेज भी दिया है. हालांकि, इसमें से आपको सिर्फ 4.4GB का स्टोरेज ही मिलता है. ये एंड्रॉइड 10 ओएस पर रन करता है. लेटेस्ट ओएस के चलते इसके इंटरफेस काफी बेहतर हैं. वहीं, हर छोटे-छोटे सेगमेंट के लिए इसमें कई फीचर्स मिलते हैं. टीवी में कनेक्टिविटी के लिए 3 HDMI, 2 USB पोर्ट मिल जाते हैं. इसके साथ, इसमें एक इथरनेट पोर्ट और 3.5mm ऑडियो जैक दिया है.

बॉडी टेम्परेचर मॉनिटर करेगी वॉच

टाइमेक्स हेलिक्स स्मार्ट 2.0 लांच होने वाला लेटेस्ट वियरेबल है. ये स्मार्टवॉच बॉडी टेम्परेचर, हार्ट रेट और कई खास फीचर्स से लैस है. वॉच में लगभग 10 स्पोर्ट्स मोड हैं.

गूगल ड्राइव से सिंक कर सकेंगे डेस्कटॉप

गूगल नया फीचर लेकर आ रहा है. इस फीचर से यूजर्स आसानी से डेस्कटॉप को गूगल ड्राइव से सिंक कर सकते हैं. कंपनी का कहना है कि आने वाले हफ्तों में कंप्यूटर यूजर्स को डेस्कटॉप ड्राइव इस्तेमाल करने के लिए कहेंगे. इसे सितम्बर 2021 तक सिंक करने की सलाह देते रहेंगे. सितंबर के बाद, यूजर्स को नोटिफिकेशन दिखाई देगी, जिसमें उन्हें फाइलों को सिंक करने के लिए कहा जाएगा. डेस्कटॉप की ड्राइव के लिए यूजर सीधे अपने मैक या **PC** पर क्लाउड से फाइलों तक पहुंच सकते हैं. यह डिस्क स्पेस को फ्री कर देता है. साथ ही आपके नेटवर्क बैंडविड्थ को भी बचाता है. कंपनी ने कहा है कि डिस्क फाइलें क्लाउड में स्टोर हो जाती हैं. इसलिए आपके या दूसरे डिवाइस किया गया कोई भी परिवर्तन ऑटोमैटिक रूप से हर जगह अपडेट हो जाता है. इससे हमेशा नया वर्जन मिलता रहता है.

फोल्डर

डेस्कटॉप के लिए ड्राइव विंडोज और mac OS के लिए एक एप्लीकेशन है जो यूजर्स को सीधे अपने डेस्कटॉप से फाइल तक पहुंच जाता है. इससे उन्हें फोल्डरों तक पहुंचने में आसानी होती है. यूजर्स जिस प्रकार अपनी फाइलों और फोटो को सीधे अपने डेस्कटॉप पर एक्सेस करना पसंद करते हैं, ठीक वैसे ही ड्राइव पर फोल्डर मिलते हैं. कंपनी ने कहा कि डेस्कटॉप बैकग्राउंड में भी लोकल फाइलों को क्लाउड में ऑटोमेटिक रूप से सिंक कर देता है, जिससे फाइलों को सिंक करने में लगने वाला समय कम हो जाता है. गूगल में पहले से ही बैकअप और सिंक के साथ ड्राइव फाइल स्ट्रीम सुविधा मिलती है. इसे बिजनेस यूजर्स के लिए बनाया गया था. ये बैकअप-सिंक और ड्राइव फाइल स्ट्रीम दोनों से अच्छी और सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली सुविधाएं होंगी. यूजर अब गूगल फोटो और/या गूगल ड्राइव में फोटो और वीडियो अपलोड और सिंक कर सकते हैं. साथ ही फ्लैश ड्राइव और बाहरी हार्ड ड्राइव सहित बाहरी स्टोरेज डिवाइस को क्लाउड में सिंक कर सकते हैं.

ऑटो अपडेट

जब भी बैकअप और सिंक ऑटो अपडेट आएगा तो आपके नए विंडोज अपडेटेड कंप्यूटर में नोटिफिकेशन आ जाएगी. जिसमे ड्राइव फॉर डेस्कटॉप दिखना शुरू हो जाएगा. यह फीचर लोकल और क्लाउड स्टोर से स्कैन करके फाइल को सिंक कर देगा. इसमें कुछ मिनट से लेकर कई घंटे भी लग सकते हैं. यह यूजर्स के फाइल की साइज पर डिपेंड करेगा, जिसे प्रोग्रेस बार पर देख सकते हैं. यूजर इस प्रोसेस के दौरान दूसरा काम कर सकते हैं. जब स्कैन पूरा हो जाए तो वह अपनी फाइल्स का सारांश देख सकते हैं. साथ ही वे फाइल को कैसे सिंक करना चाहते हैं, चुन सकते हैं. 'My Drive' पर वह कौन सा फोल्डर सिंक करना चाहते हैं, वह चुन सकते हैं. साथ ही गूगल फोटोज का बैकअप कर सकते हैं. यूजर्स ड्राइव को डेस्कटॉप के लिए सिलेक्ट कर सकते हैं, जो उनके सिंक किए गए सिलेक्टेड फाइल के अनुसार होगी.

वॉट्सएप में बदला कॉलिंग का अंदाज़

वॉट्सएप ने अब अपने कॉलिंग यूजर इंटरफेस में बड़ा बदलाव किया है. नया यूआई इंडिविजुअल के साथ ही ग्रुप कॉलिंग के लिए भी रोलआउट किया जा रहा है. कंपनी नए कॉलिंग यूआई को **iOS** डिवाइसेज के लिए वॉट्सएप बीटा वर्जन 2.21.140.11 के साथ ऑफर कर रही है.

वॉट्सएप का नया कॉलिंग यूआई एप्पल के फेसटाइम एप से काफी मिलता-जुलता है. वॉट्सएप ने अब अपने कॉलिंग यूजर इंटरफेस में बड़ा बदलाव किया है. नया यूआई इंडिविजुअल के साथ ही ग्रुप कॉलिंग के लिए भी रोलआउट किया जा रहा है. कंपनी नए कॉलिंग यूआई को iOS डिवाइसेज के लिए वॉट्सएप बीटा वर्जन 2.21.140.11 के साथ ऑफर कर रही है. वॉट्सएप का नया कॉलिंग यूआई एप्पल के फेसटाइम एप से काफी मिलता-जुलता है. नए इंटरफेस से यूजर्स को कॉलिंग के दौरान दूसरे ऑप्शन्स को एक्सेस करने में आसानी होगी. अपडेटेड यूआई में कंपनी नीचे की तरफ रिंग बटन भी दे रही है. लेटेस्ट वॉट्सएप बीटा वर्जन में आप ग्रुप कॉल मिस्ड होने पर वापस उसे जॉइन कर सकते हैं. नए वर्जन से अपडेट करने के बाद अगर कोई आपको ग्रुप कॉल जॉइन करने के लिए इन्वाइट करता है.

शिकायतें करना बंद करें, खिलखिलाएं और मनाएं

जीवन का जश्न

क्योंकि सफलता का पैमाना तय करना है कठिन

मुझसे अक्सर सवाल किया जाता है कि सफलता क्या है? मैं खुद भी जब खाली बैठी होती हूं तो इस बारे में सोचती हूं. क्या कामयाबी का पैमाना महानगर की पॉश कॉलोनी में सुंदर, महंगा मकान... बड़ी फोर व्हीलर गाड़ी का होना है... सुखी परिवार है... अच्छी सेहत व अच्छा बैंक बैलेंस है... दिमागी सुकून है... अच्छा पद है... शोहरत है? या यह सब मिलकर हैं या इनमें से कुछ भी नहीं है? आप सफलता का एक पैमाना बयान कीजिए तो तुरंत ही इसका विरोधाभास सामने आ जाएगा. जैसे, नवाबों जैसे ठाठ वाले अति रईस व्यक्ति को नींद की गोलियां खाकर भी मखमल के गद्दे पर नींद नहीं आती और दाने-दाने के लिए पसीना बहाने वाला मजदूर सिर के नीचे ईंट लगाकर भरी दोपहर में भी पीपल तले गहरी नींद सो जाता है. मुन्नवर राणा का शेर याद आ गया- 'सो जाते हैं फुटपाथ पे अखबार बिछाकर... मजदूर कभी नींद की गोली नहीं खाते.'

लुकिंग बैक (गुजरी जिंदगी को पलटकर देखना)

बहरहाल, मैं 'सफलता क्या है' के बारे में सोच ही रही थी कि मेरी नजर माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला की सात लघुकथाओं पर पड़ी, जिनमें से एक, जिसका शीर्षक है 'लुकिंग बैक' (गुजरी जिंदगी को पलटकर देखना), जिसमें उन्होंने सफलता को परिभाषित किया है. मैं उनकी परिभाषा से सहमत हूं. मंटो के मिनी अफसानों की शैली में लिखी गई यह कहानी (बल्कि जीवन की हकीकत) इस प्रकार है- 'मैं अपनी मनोविज्ञान की क्लास के लिए एक रिसर्च पेपर लिख रहा हूं. इसी के लिए मैं अपनी दादी का इंटरव्यू लेता हूं. मैंने दादी से कहा कि वह सफलता को अपने शब्दों में परिभाषित करें. दादी बोलीं- सफलता यह है कि जीवन में पीछे मुड़कर देखने पर तुम्हारी यादें तुम्हारे होंठों पर मुस्कान ले आएं.' लेकिन यादें होंठों पर मुस्कान तभी लाती हैं जब आपके दिल में हर किसी के लिए प्रेम हो और किसी के लिए नफरत न हो.

'लव कॉन्कर्स पेन' (प्रेम दर्द पर भी विजय पा लेता है)

यही संदेश सत्य की दूसरी लघुकथा 'लव कॉन्कर्स पेन' (प्रेम दर्द पर भी विजय पा लेता है) में है, जिससे मालूम होता है कि सफल होने हेतु सबके लिए प्रेम भाव होना भी आवश्यक है. यह लघुकथा इस तरह है- 'मेरे कुत्ते को एक कार कुचलती हुई चली गई. मैं सड़क के किनारे उसे अपनी बाहों में लिए बैठा रो रहा था और मरने से पहले उसने मेरे चेहरे पर बहते आंसुओं को चाट लिया.'

'टुगेदरनेस' (एकजुटता)

कहते हैं कि अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता. इसी तरह अकेले सफल होना भी कठिन होता है, किसी के संग की जरूरत होती है ताकि जीवन की कठिन डगर पर चलने के लिए निरंतर सहारा व प्रोत्साहन मिलता रहे. अतः इस कड़ी में सत्य की तीसरी लघुकथा 'टुगेदरनेस' (एकजुटता) भी प्रासंगिक हो जाती है. वह लिखते हैं- 'मेरी मां अस्पताल के बिस्तर पर हैं. मेरे पिता, तीन भाई व दो बहनें उनके पास खड़े हैं. मां ने अपनी आखिरी सांस लेने से पहले अपने अंतिम सुसंगत शब्द कहे. उन्होंने सिर्फ इतना कहा- इस वक्त मैं बहुत प्यार महसूस कर रही हूं. हमें इस तरह अक्सर एक साथ होना चाहिए था.'

'काइंडनेस' (दया)

दरअसल, सफलता का सही अर्थ यह है कि आप में दया भाव हो, सबके लिए और वह भी बिना किसी भेदभाव के. आप दूसरों की मदद करने के लिए हरदम तैयार रहें. तो सत्य के अनुसार कामयाबी की छठी कुंजी 'काइंडनेस' (दयालुता) है- 'व्हीलचेयर में बैठे लड़के ने मुझे देखा कि मैं अपनी टूटी टांग के कारण बैसाखियों के साथ लगभग जान पर खेलता हुआ संघर्ष कर रहा हूं और उसने मेरा बैकपैक व किताबें उठाने की पेशकश की. उसने मुझे क्लास तक पहुंचाने में कैंपस के पूरे रास्ते मदद की, और मुझे अलविदा करते हुए उसने कहा- मैं दुआ करता हूं कि तुम जल्द स्वस्थ हो जाओ.'

'शेयरिंग' (बांटना)

जिस तरह प्यार बांटने से प्यार दोगुना हो जाता है, उसी तरह अपनी कामयाबी को दूसरों के साथ शेयर करने से आपको अधिक सफल होने की सीढ़ी मिल जाती है. सत्य की सफलता की सातवीं व अंतिम कुंजी 'शेयरिंग' (बांटना) है- 'मैं केन्या में यात्रा कर रहा था और मेरी मुलाकात जिम्बाब्वे के एक शरणार्थी से हुई. वह अति दुबला-पतला व अस्वस्थ प्रतीत हो रहा था. उसने कहा कि उसे कुछ खाए हुए तीन दिन से अधिक हो गए हैं. मेरे दोस्त ने उसे अपना सैंडविच ऑफर किया, जिसे उसने खाना शुरू किया था. वह व्यक्ति बोला- हम इसे आपस में शेयर कर सकते हैं.'

'अफेक्शन' (स्नेह)

हमारी सफलता में हमारे परिजनों व दोस्तों का महत्वपूर्ण योगदान व समर्थन होता है. इस कारण हमें उनसे लगाव व प्यार भी होता है, लेकिन हम अक्सर इसे जाहिर नहीं करते हैं. सत्य की अगली लघुकथा 'अफेक्शन' (स्नेह) प्रेम के इजहार से ही संबंधित है, यानी अगर प्यार है तो उसका इजहार भी समय रहते कर देना चाहिए, देर से व्यक्त किया गया प्यार किसी काम का नहीं है. यह लघुकथा इस तरह है- 'छोटे से हॉस्पिटल बेड पर मेरे पिता ने दम तोड़ दिया. मैंने उनका माथा चूमा. उनके मरने के पांच सेकंड बाद ही मुझे एहसास हुआ कि जब मैं छोटा लड़का था तो उसके बाद से पहली बार मैंने अपने पिता को चूमा था.'

'जॉय' (खुशी)

अगर जीवन में खुशी ही नहीं है तो भौतिक कामयाबी किस काम की! जीवन में न सिर्फ खुश रहना चाहिए, बल्कि जीवन का जश्न भी मनाना चाहिए. इस बात पर बल देते हुए अपनी लघुकथा 'जॉय' (खुशी) में सत्य कहते हैं- 'मैंने एक 27-वर्षीय कैंसर रोगी को देखा कि वह अपनी दो साल की बेटी की मासूम हरकतों पर खिलखिलाकर हंस रही थी. अचानक मुझे एहसास हुआ कि अपने जीवन के बारे में शिकायतें बंद करके मुझे फिर से जीवन का जश्न मनाना शुरू कर देना चाहिए.'

▲ अंतरा पटेल

स्पेस टूरिज्म का श्रीगणेश

कामयाबी का एक नया अध्याय

11 जुलाई 2021 को एक ऐसा इतिहास रचा गया है कि जब तक धरती है, धरती में जीवन है, तब तक इस दिन और इस तारीख के महत्व की कभी अनदेखी नहीं की जा सकती. जी हां, इस दिन इंसान की सदियों की वह कल्पना पूरी होती लगी, जिसमें इंसान अंतरिक्ष में सैर-सपाटे की कल्पना करता रहा है. दूसरे शब्दों में जो स्पेस या अंतरिक्ष पर्यटन सदियों से फैंटेसी लगता रहा है, अब अपना व्यवहारिक रूप हासिल करता लग रहा है. 11 जुलाई 2021 को ब्रितानी अरबपति व्यवसायी और वर्जिन गैलेक्टिक कंपनी के मालिक रिर्चड ब्रैंसन अपने 5 सहकर्मियों के साथ अपने निजी रॉकेट प्लेन के जरिये अंतरिक्ष तक पहुंचे और वहां कुछ मिनट बिताने के बाद वापस धरती पर लौट आए. हालांकि यह यात्रा महज डेढ़ घंटे की रही, लेकिन इस छोटी सी यात्रा ने न सिर्फ रिचर्ड ब्रेनसन को अंतरिक्ष पर्यटन का अगुवा बना दिया है, बल्कि इंसान की कामयाबी में एक नया अध्याय जोड़ दिया.

भविष्य में जब कभी भी 2021 को याद किया जाएगा तो सिर्फ कोरोना जैसी महामारी के लिए ही याद नहीं किया जाएगा, बल्कि इस याद में पहली प्राइवेट स्पेस विजिट भी स्मरण रखी जाएगी. क्योंकि इसके साथ ही सदियों की ख्वाहिश स्पेस टूरिज्म के दरवाजे खुलते नजर आ रहे हैं.

अंतरिक्ष के सैर की ख्वाहिश

अंतरिक्ष की सैर इंसान की हमेशा ख्वाहिश में शामिल रही है. लेकिन अब के पहले इसे कभी इतना सुगम बनाने की कोशिश नहीं की गई थी कि कोई भी महज एक हफ्ते की ट्रेनिंग के जरिये अंतरिक्ष की सैर कर आए. लेकिन अब लगता है यह संभव होगा. संभव ही नहीं, जिस तरह की स्थितियां बन रही हैं, उससे तो लगता है कि साल 2025 तक न सिर्फ अंतरिक्ष में होटल मौजूद होंगे, बल्कि सीधे टिकट खरीदकर भी लोग अंतरिक्ष की सैर पर जा सकेंगे. क्योंकि इस समय दुनिया की 3 कंपनियां अंतरिक्ष टूरिज्म के बड़े बिजनेस को आकार देने में जुटी हैं. अमेजोन के जैफ बेजोस ने इसी महीने की शुरुआत में 20 जुलाई 2021 को स्पेस फ्लाइट की बात कही थी, लेकिन अपने जोखिम लेने के अंदाज से चौंकाने वाले रिचर्ड ब्रेनसन उनसे 9 दिन पहले ही अंतरिक्ष की यात्रा करके लौट भी आए हैं. उनके साथ गए 5 अन्य लोगों में भारतीय मूल की 34 वर्षीय शिरसा बांदला भी शामिल हैं.

6 करोड़ रुपए का एक टिकट

अगर सब कुछ ठीकठाक रहता है तो आगामी 20 जुलाई 2021 को ब्लू ओरिजिन के न्यू शेपर्ड की पहली स्पेस फ्लाइट भी सम्पन्न होगी और फिर जल्द ही स्पेस एक्स की अंतरिक्ष उड़ान भी छलांग लगाएगी. इस तरह अगर अगले 1-2 साल में कुछ-कुछ दिनों में स्पेस टूरिज्म पर धनी लोग आने-जाने लगें तो यह आश्चर्य का विषय नहीं होगा, क्योंकि रिचर्ड ब्रेनसन पहले ही 600 लोगों को इसका टिकट बेच चुके हैं और यह एक टिकट करीब 6 करोड़ रुपये का है. हालांकि इस तमाम ऐतिहासिकता के बावजूद दुनिया के पहले स्पेस टूरिस्ट का खिताब रिचर्ड ब्रेनसन को नहीं मिलेगा, वह डेनिस टीटो के खाते में हमेशा-हमेशा के लिए दर्ज रहेगा. क्योंकि 28 अप्रैल 2001 को रूस के धनी व्यवसायी डेनिस टीटो दुनिया के पहले ऐसे गैरवैज्ञानिक अंतरिक्ष यात्री थे, जो रूसी स्पेस एजेंसी रॉसकॉसमॉस और अमेरिकी कंपनी स्पेस एडवेंचर लिमिटेड को 2 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान करके 10 दिनों की अंतरिक्ष यात्रा पर गए थे. दस दिवसीय यह रोमांचक यात्रा 6 मई 2001 को खत्म हुई थी. जब टीटो सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लौटे तो मानो पूरी दुनिया की मीडिया उनसे बात करना चाहती थी. लेकिन तब रूसी स्पेस एजेंसी और अमेरिकी स्पेस प्रबंधन संस्थान नासा ने डेनिस टीटो के लिए इतना जटिल प्रोटोकॉल निर्धारित कर रखा था कि वह इन सब पर ज्यादा बात नहीं कर सके.

पश्चिमी दुनिया कर रही आलोचना

बहरहाल वर्जिन गैलेक्टिक, ब्लू ओरिजिन और स्पेस एक्स जैसी कंपनियों के साथ शुरू हो रहा अंतरिक्ष पर्यटन क्या मानवता की एक और ऊंची छलांग है या धरती की तमाम परेशानियों से पैसे वालों द्वारा पिंड छुड़ाकर किसी दूसरे ग्रह में अपने रहने के लिए जगह ढूंढ़ने की कवायद है! क्योंकि जहां तक रोमांच की बात है, वो तो ठीक है, लेकिन पश्चिमी दुनिया में इस खासी खर्चीली गैरजरूरी एक्टिविटीज को लेकर खूब आलोचना हो रही है. कहा जा रहा है कि पैसे वाले लोग धरती के संसाधनों को लूटकर अब अंतरिक्ष के जरिये अन्य ग्रहों के संसाधनों को लूटने की अपनी महत्वाकांक्षा में विज्ञान और इंसान दोनों को दांव पर लगा रहे हैं. मशहूर पत्रकार और फिक्शन राइटर सिम केर्ने ने रिचर्ड ब्रेनसन की इस यात्रा को 'स्पेस यूटोपिया' का नाम दिया है. उन्होंने पिछले दिनों इसकी आलोचना करते हुए लिखा है, 'धरती को परेशानियों में छोड़कर अरबपति अंतरिक्ष जाना चाहते हैं.' हालांकि हमें यह याद रखना चाहिए कि रिचर्ड ब्रेनसन जहां गए हैं और आने वाले दिनों में दूसरी प्राइवेट कंपनियों की उड़ाने जहां तक जाने वाली हैं, वो अंतरिक्ष की निचली कक्षा है. वह स्पेस या अंतरिक्ष नहीं है, जहां डेनिस टीटो गए थे, क्योंकि उसके लिए अंतरिक्षयानों को पृथ्वी की कक्षा से बाहर जाना पड़ेगा. वह न सिर्फ खर्चीला है, बल्कि जोखिमभरा भी है. क्योंकि जो रॉकेट पृथ्वी की कक्षा से बाहर दाखिल होने की कोशिश करते हैं, उनकी रफ्तार को बहुत ज्यादा होना चाहिए, जिसमें बहुत सारे ईंधन की जरूरत होती है. लेकिन अंतरिक्ष के कोने तक छूकर लौट आना भी कम रोमांचक नहीं है. क्योंकि यहां तक भी यात्रा में लोग भारहीनता का एहसास कर सकेंगे और वहां से धरती के अविश्वसनीय दृश्यों का लुत्फ भी ले सकेंगे. रिचर्ड ब्रेनसन अपने क्रू के साथ धरती से करीब 56 मील ऊपर गए. यह यात्रा रोमांचक है और चूंकि सबके लिए संभव नहीं है, इसलिए यह यात्रा एक स्टेटस सिंबल भी है. ऐसे में अगर जल्द ही पूरी दुनिया से लाखों लोग अपने आपको अंतरिक्ष की सैर के लिए रजिस्टर्ड करवा लें तो यह कोई अजूबा नहीं होगा.

▲ निनाद गौतम

टोक्यो ओलम्पिक-2020

उल्टी गिनती शुरू ...!

TOKYO 2020

टोक्यो ओलंपिक-2020 खेल आयोजन, जो कि एक साल बाद होने जा रहा है, की अब उल्टी गिनती शुरू हो गई है. आगामी 23 जुलाई 2021 से दुनिया के 11,000 से ज्यादा एथलीट पदकों की प्रतिस्पर्धा में भिड़ेंगे. कहां सोचा तो ये जा रहा था कि टोक्यो ओलंपिक-2020 में अब तक के सबसे भव्य समारोह होंगे लेकिन दुनियाभर में लगातार जारी कोरोना के कहर के कारण यह अब तक का सबसे सादा ओलंपिक बनने जा रहा है. सच तो यह है कि इसके होने पर ही संकट मंडराने लगा था, लेकिन अब एक साल बाद किसी तरह से होने तो जा रहे हैं. पहले तमाम प्रतिबंधों के साथ 10,000 दर्शकों को हर स्टेडियम में खेल देखने के लिए इजाजत दी गई थी, लेकिन अब इस इजाजत को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष थामस बाक द्वारा रद्द कर दिया गया है. नतीजतन ये पहले ऐसे ओलंपिक होंगे, जो दर्शकों के बिना होंगे. यही नहीं, इन ओलंपिक खेलों के दौरान जापान की राजधानी टोक्यो में इमरजेंसी लागू रहेगी. मतलब इन ओलंपिक खेलों का जश्न से दूर-दूर तक भी रिश्ता नहीं रहेगा, जश्न की बजाय ये महज रस्म सरीखे होंगे. बहरहाल खिलाड़ियों के बीच टक्कर और जान लड़ा देने का जज्बा तो वैसा ही देखने को मिलेगा.

23 जुलाई से 8 अगस्त तक रचे जाएंगे कई खेल इतिहास

उद्घाटन समारोह रहेगा फीका

भारत टोक्यो ओलंपिक में 18 खेलों में हिस्सा लेगा. इन खेलों में देश के 126 खिलाड़ी प्रतिद्वंद्वियों से मुकाबला करेंगे. 23 जुलाई से 8 अगस्त 2021 तक होने वाले ये ओलंपिक खेल अपने आपमें एक नये किस्म का इतिहास रचेंगे. जहां न बार खुलेंगे, न रेस्त्रां खुलेंगे, पार्लर बंद होंगे. एक देश के खिलाड़ी दूसरे देश के खिलाड़ियों से घुलमिल भी नहीं सकेंगे, न दोस्ती होगी, न मोहब्बतें परवान चढ़ेंगी. हर खिलाड़ी को जापान पहुंचने के बाद 3 दिनों तक आइसोलेशन में रहना होगा. खेलों के शुरू होने के कई दिन पहले खिलाड़ी कहीं नहीं जा सकते. खेलों के दौरान जापान की राजधानी टोक्यो में अगर दूर-दूर तक कोई दिखेगा तो वो डॉक्टर होंगे, मेडिकलकर्मी होंगे, एंबुलेंस होंगी. हर 500 मीटर में डॉक्टर की व्यवस्था होगी. दुनिया के सारे ओलंपिक खेल जहां उद्घाटन समारोह के दौरान अपने देश की संस्कृति और हैसियत का बढ़-चढ़कर प्रदर्शन करते हैं, वहीं टोक्यो ओलंपिक के दौरान उद्घाटन समारोह बिल्कुल सादा और फीका होगा.

18 खेलों के 69 इवेंट्स में हिस्सा लेंगे भारतीय खिलाड़ी

जहां तक टोक्यो ओलंपिक में भारत की हिस्सेदारी का सवाल है, तो भारत टोक्यो ओलंपिक में, अपने ओलंपिक इतिहास का सबसे बड़ा एथलीट दल भेज रहा है. भारतीय खिलाड़ी 18 खेलों के 69 इवेंट्स में भागीदारी करेंगे. अब के पहले भारत किसी भी ओलंपिक में इतने खेलों में हिस्सा नहीं लिया. भारतीय खेल दल में पहली बार कुछ ऐसे खिलाड़ी शामिल हुए हैं, जो पहले कभी नहीं रहे. जैसे पहली बार भारत की ओर से तलवारबाजी में भवानी देवी हिस्सा लेंगी, उन्होंने ओलंपिक टिकट हासिल किया है. इसी तरह टोक्यो ओलंपिक में पहली बार कोई भारतीय महिला नौका चालक के तौर पर भी दिखेगी. पहली बार साजन प्रकाश और श्रीहरि नटराज ऐसे तैराक बनकर उभरे हैं, जो क्वालीफाई करके ओलंपिक में हिस्सेदारी करने जा रहे हैं, न कि कोटे से इन्हें मौका मिला है.

इंडिया के 2 ध्वजवाहक

भारत के अब तक के सबसे बड़े खिलाड़ी दल से अगर यह उम्मीद की जाती है कि वो ओलंपिक इतिहास में पहली बार सबसे ज्यादा पदक लाएंगे, तो यह स्वाभाविक ही है. टोक्यो ओलंपिक में भारत की तरफ से 6 बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज मैरी कॉम और पुरुष हॉकी टीम के मौजूदा कप्तान मनप्रीत सिंह उद्घाटन समारोह में ध्वजवाहक होंगे. जबकि समापन समारोह के लिए यह श्रेय पहलवान बजरंग पूनिया को दिया गया है. यह भी ओलंपिक इतिहास में पहली बार हुआ है कि भारत के 2 ध्वजवाहक होंगे. मैरी कॉम ने खुद को ध्वजवाहक चुने जाने के बाद भावुक होते हुए अपने लिए यह बहुत बड़ा सम्मान बताया है. उन्होंने कहा कि यह मेरा आखिरी ओलंपिक है, मेरे लिए यह भावनात्मक पल है, मैं

हमारी खूबसूरत दुनिया के दोस्त

बच्चों की दुनिया...

प्यारे बच्चों को कविता आंट का ढेर सारा प्यार,

बच्चों आज मैं आपको डॉग्स की कुछ ख़ास बिहेवियर्ल पैटर्न्स के बारे में चर्चा करना चाह रही थी पर जैसे ही मैंने अख़बारों में पढ़ा कि पिछले साल जयपुर में डॉग्स द्वारा क़रीब 8000 लोग काट लिए गए, तो मैंने अपना इरादा बदल दिया। क्योंकि अपनी सुरक्षा सर्वोपरि है। तो मैं आपको जानवरों की एक बीमारी 'रेबीज़' के बारे में बताती हूँ जो इतनी ख़तरनाक होती है कि इसके होने पर बचना मुश्किल नहीं नामुमकिन हो जाता है।रेबीज़ डॉग्स और बंदरों की बीमारी है ये तो आपने सुना ही है, लेकिन ये बीमारी दूसरे जानवरों, जैसे भेड़ियों, लोमड़ी, स्कंक, भालू, चमगादड़ और गाय वग़ैरह सहित किसी भी मैमल को हो सकती है , लेकिन इंसानों तक ये बीमारी ज़्यादातर डॉग्स से ही पहुँचती है, अगर ये डॉग्स को हो जाये और हमें वो डॉग काट ले, तो।

रेबीज़ एक इतना छोटा सा वायरस होता है कि उसे सिर्फ़ ख़ास किस्म के माइक्रोस्कोप से ही देखा जा सकता है। और जब ये डॉग में एंटर हो जाता है, तो भी चार से छ- सप्ताह तक हम नहीं जान सकते कि डॉग को रेबीज़ हो चुका है। उसके बाद वो अचानक से चुपचाप हो जायेगा, खाना पीना छोड़ देगा, उसे फ़ीवर आ जायेगा; फिर वो एक्साइट होना शुरू कर देगा , उसके मुँह से झाग जैसा सलाइवा निकलने लगेगा, वो ज़्यादा ही गुर्राना और भौंकना शुरू कर देगा और ये सारे सिम्प्टम्स दिखने के तीन से पॉच दिनों के भीतर उसकी मौत हो जाती है।चूँकि ये वायरस डॉग्स के सलाइवा में ही होता है , तो हमें भी रेबीज़ का ख़तरा डॉग के काटने पर ही है , वरना नहीं।

बच्चों, आप जानते हो न कि, ' प्रिकॉशन इज़ बैटर दैन क्योर' ! तो इस बीमारी के संदर्भ में यह याद रखना बहुत ज़रूरी हो जाता है क्योंकि अगर हमें ये हो गई तो हमारा बचना नामुमकिन है।

बच्चों आपने कई तरह के फ़ोबियाज़ के बारे में सुना होगा, मसलन हीमोफ़ोबिया (खून का डर), क्लास्ट्रोफ़ोबिया (ऊँचाई का डर), एयरोफोबिया (उड़ान का डर) वग़ैरह; ऐसा ही एक डर होता है पानी का डर जिसे हाइड्रोफ़ोबिया कहा जाता है। जब इंसान रेबीज़ की चपेट में आ जाता है, तो ऐसा लगता है कि उसे भी हाइड्रोफ़ोबिया हो गया है । दरअसल होता यह है कि रेबीज़ से मसल्स जकड़ने लगती हैं और जब वो पानी पीना चाहता है तो उसके मुँह और गले की मांसपेशियों में ऐंठन शुरु हो जाती है और वो प्यास बुझाने में नाकाम रहता है। ये स्पैज़्म नर्वस सिस्टम में परिवर्तन के कारण होते हैं और जैसे ही सॉस की मांसपेशियों में ऐंठन होते ही इंसान की मृत्यु हो जाती है।

तो हमें डॉग बाइट्स से बचना चाहिए और अगर गलती से डॉग काट ले तो तीन दिन के अंदर अंदर डॉक्टर से इलाज करा लेनी चाहिए ।

तो आज के लिए ये ज़रूरी बात ही । अगली कड़ी में कुछ इंट्रेस्टिंग बातें लेकर आऊँगी, तब तक के लिए डॉग्स की भाषा में बाऊ-वाऊ, यानी कि बाय-बाय!

डॉ. कविता माथुर

एक नजर

दादर धाम मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। जयपुर संगीत महाविद्यालय द्वारा आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव में परम पूज्य गुरु श्री श्री 1008 श्री जयराम दास जी महाराज के आश्रम दादर धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव में सर्वप्रथम जयपुर की कथक नृत्यांगना शिल्पी शर्मा द्वारा गणेश वंदना से कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया । उसके पश्चात खंडेला के प्रसिद्ध गायक उस्ताद बुंदू खान के द्वारा गुरु महिमा प्रस्तुत की गई । अगली कड़ी में मुंबई के प्रसिद्ध सारंगी वादक उस्ताद लियाकत अली खान साहब का एकल सारंगी वादन हुआ। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कोलकाता की युवा तबला वादक रिंपा शिवा जिनको तबला ऑफ क्वीन नाम से भी जाना जाता है उनका असरदार तबला वादन हुआ और बार-बार श्रोताओं की तालियों की गड़गड़ाहट से उनके वादन का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अगली श्रृंखला में मुंबई से पधारे प्रसिद्ध कथक नृत्यकार नरेंद्र कृष्ण गंगानी का कथक नृत्य प्रस्तुत हुआ साथ में उनके शिष्या सुश्री रूपाली का भी नृत्य हुआ। कार्यक्रम की अगली कड़ी में भीलवाड़ा से पधारे हुए हैं कथक नृत्य गुरु पंडित करण पवार के शिष्यों का भी समूह नृत्य प्रस्तुत हुआ। और कार्यक्रम के अंत में जयपुर के सबसे छोटे तबला वादक वेदांत शर्मा ने एकल तबला वादन में बनारस एवं दिल्ली घराने की बंदिशों को प्रस्तुत कर श्रोताओं की तालियों से सम्मान प्राप्त किया। सभी कलाकारों को श्री भवानी दास जी महाराज द्वारा ताल रत्न , नृत्य रत्न एवं तबला रत्न 2021 के अवार्ड से सम्मानित किया गया । शास्त्रीय संगीत के कार्यक्रम कि संपूर्ण रूपरेखा जयपुर संगीत महाविद्यालय के निर्देशक श्री राम शर्मा द्वारा की गई। और कार्यक्रम का संचालन जयपुर के जाने-माने एंकर आर डी अग्रवाल ने किया ।

मुख्यमंत्री का महत्वपूर्ण निर्णय

जनजाति समुदाय के उत्थान के लिए 'जनजाति भागीदारी योजना' को मंजूरी

विश्व आदिवासी दिवस पर होगा शुभारंभ

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए जनजाति भागीदारी योजना के प्रारूप को मंजूरी दी है। योजना का शुभारंभ विश्व आदिवासी दिवस (9 अगस्त) के अवसर पर किया जाएगा। योजना के तहत जनजाति समुदाय के समावेशी विकास के लिए उनकी आवश्यकता के अनुरूप कार्य करवाए जा सकेंगे। इनमें सामुदायिक संपत्तियों का निर्माण एवं मरम्मत, संवर्धन और संरक्षण के साथ-साथ रोजगार सृजन, कौशल प्रशिक्षण, डेयरी, पशुपालन आदि क्षेत्रों से संबंधित कार्य शामिल होंगे। उदाहरण के तौर पर विद्यालय, छात्रावास, चिकित्सा केंद्र, आंगनबाड़ी केंद्र, मां-बाड़ी केंद्र, सड़क-पुलिया, जल संग्रहण ढांचे, एनिकट, पेयजल योजना, सामुदायिक शौचालय, बस स्टैण्ड आदि के निर्माण एवं मरम्मत, बल्क कूलर की स्थापना, हैचरी प्लांट, विभिन्न प्रकार के कोचिंग एवं प्रशिक्षण जैसे कार्य इस योजना के तहत हो सकेंगे। योजना के तहत वे कार्य ही अनुमत होंगे, जिनके माध्यम से लाभान्वित होने वाली जनसंख्या का कम से कम 50 प्रतिशत भाग जनजाति समुदाय का हो। निजी भूमि पर योजना के तहत निर्माण अनुमत नहीं होगा। साथ ही भूमि अधिग्रहण के बदले मुआवजे का भुगतान, धार्मिक स्थलों का निर्माण, जातिगत या धार्मिक आधार पर सामुदायिक भवनों का निर्माण भी अनुमत नहीं होगा।

गाँव-गाँव में उपलब्ध होंगी शहरों जैसी चिकित्सकीय सुविधाएं: चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने कहा है कि प्रदेश के 18 हजार से अधिक चिकित्सा संस्थानों को निरंतर आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। उन्होंने कहा सरकार का प्रयास है कि शहरों जैसी चिकित्सीय सुविधा प्रदेश के प्रत्येक गांव में उपलब्ध हो, ताकि आमजन को शहरों तक इलाज के लिए आना नहीं पड़े। डॉ. शर्मा सोमवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में राजस्थान नर्सिंग एसोसिएशन व आरयूएचएस कॉलेज की ओर से आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर व पोस्ट कोविड मैनेजमेंट सेमिनार को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के चयनित 332 सामुदयिक स्वास्थ्य केन्द्रों को कोरोना की संभावित तीसरी लहर के लिए तैयार किया जा रहा है। इन केन्द्रों पर आईसीयू बैड, ऑक्सीजन की सुविधा और आवश्यक दवाएं हर समय उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार तीसरी लहर का असर बच्चों पर रहने की आशंका है। इसी को देखते हुए प्रदेश शिशु चिकित्सालयों भी ऑक्सीजन बैड व अन्य आवश्यक सुविधाओं में बढ़ोतरी की जा रही है।

1 लाख 50 हजार से अधिक प्रतिदिन जांच करने की क्षमता: चिकित्सा मंत्री ने कहा कि कोरोना की दोनों लहरों में राज्य सरकार ने बेहतरीन कार्य किया है। उन्होंने कहा कि मार्च 2020 में कोरोना का पहला केस मिला था तब प्रदेश में आरटी पीसीआर टेस्ट को कोई सुविधा उपलब्ध नहीं थी। उसी वक्त यह तय कर लिया था कि प्रदेश को जांच के मामले में आत्मनिर्भर बनाएंगे। आज प्रदेश के प्रत्येक जिले में आरटी पीसीआर जांच की सुविधा उपलब्ध है और प्रतिदिन 1 लाख 50 हजार से अधिक जांच करने की क्षमता भी विकसित कर ली है।

ऑक्सीजन के मामले में राजस्थान हुआ आत्मनिर्भर: डॉ. शर्मा ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में प्रदेशवासियों को मेडिकल ऑक्सीजन की कमी का सामना करना पड़ा। केन्द्र सरकार की ओर से प्रदेश को केवल 400 मीटिक टन ऑक्सीजन उपलब्ध कराई गई, जबकि जरुरत 650 मीटिक टन से अधिक की थी। ?सी किसी और स्थिति से निपटने के लिए प्रदेश में 400 मेडिकल ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट व अन्य ऑक्सीजन उत्पादक यंत्रों के जरिए लगभग 1 हजार मैट्रिक टन ऑक्सीजन उत्पादन की क्षमता विकसित कर ली है।

राजस्थान हर क्षेत्र में अव्वल: डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने कोरोना महामारी के दौरान उत्कृष्ट कार्य करते हुए ऑक्सीजन प्रबंधन, दवाइयों की उपलब्धता और वैक्सीनेशन प्रबंधन में अव्वल रहा है। इसी का परिणाम है प्रदेश में कोरोना से होने वाली मौत की दर काफी कम है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा कर्मियों के दिन-रात परिश्रम और विशेषज्ञों की सटीक रणनीति के कारण प्रदेश ने कोरोना की दूसरी लहर से तेजी से उबरा है।

तीसरी लहर का खतरा बरकरार: चिकित्सा मत्री ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर पहली लहर के बाद गैर-जिम्मेदाराना रवैये का परिणाम थी। कोरोना गाइडलाइन का उल्लंघन हमें तीसरी लहर की ओर अग्रसर कर रही है। इसलिए यह जरुरी है कि हम सभी कोरोना की गाइडलाइन का कड़ाई से पालन करें। उन्होंने कहा कि मास्क, दो गज की दूरी और बार-बार हाथ धोने को अपनी दिनचर्या में सम्मिलित करें।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया राजस्थान: सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुधीर भंडारी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कोरोनाकाल में एसएमएस मेडिकल कॉलेज की ओर से किए गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोरोना का पहला केस आने से अब तक चिकित्सा मंत्री के निर्देशन में अतुलनीय कार्य किया है। उन्होंने आरटी पीसीआर टेस्ट की अनिवार्यता हो या जीनोम सिक्वेंसिंग की सुविधा हर मामले में राजस्थान अग्रणी रहा है।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में हुआ 450 यूनिट रक्तदान: कार्यक्रम आयोजक श्री शशिकांत शर्मा ने बताया कि स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 450 से अधिक यूनिट रक्तदान हुआ। उन्होंने बताया कि इस मौके पर 250 से अधिक लोगों ने अंगदान का संकल्प लिया है। इस अवसर पर इस अवसर पर एसएमएस मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ. राजेश शर्मा, निदेशक जन-स्वास्थ्य डॉ. के के शर्मा, फार्मासिस्ट काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. ईश मुंजाल, श्री नवीन सांघी, राजस्थान नर्सिंग एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह शेखावत, आरयूएचएस के नर्सिंग प्रधानाचार्य मुकेश तितेरवाल, प्यारेलाल चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

संस्कार भारती-गुरु पूर्णिमा पर कला-गुरु सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

गुरूओं को पहनाई सम्मान की माला

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। आषाढ शुक्ल पूर्णिमा सं. 2078, संस्कार भारती जयपुर द्वारा गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया गया। संस्कार भारती की परंपरानुसार इस अवसर पर कला गुरु तथा कला के उन्नयन हेतु समर्पित संस्था एवं व्यक्तियों को सम्मानित किया जाता है।

संस्था के विभाग संयोजक प्रदीप सिंह राजावत ने बताया कि इस अवसर पर भारती भवन में आयोजित कार्यक्रम में कथक नृत्य गुरु एवं कोरियोग्राफर श्री राजेन्द्र राव को कला-गुरु सम्मान और चेम्बर ऑफ कॉमर्स के महासचिव डॉ कन्हैया लाल जैन को शाल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करकला-श्री* सम्मान से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रौढ़ प्रमुख श्री कैलाश शर्मा ने गुरु पूर्णिमा पर्व की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री आई एस कावडिया,पूर्व अध्यक्ष,राजस्थान रेवन्यु बोर्ड तथा विशिष्ठ

अतिथि श्री सुधीर गुप्ता,असिस्टेंट गवर्नर,रोटरी क्लब,जयपुर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कार भारती , जयपुर प्रांत अध्यक्ष श्री आत्मा राम सिंहल ने की। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख श्री स्वान्त रंजन भी उपस्थित रहे।संस्कार भारती जयपुर विभाग के चारों विभाग के अध्यक्ष शीला भट्ट,ओमेश चंद्र माथुर,अशोक कुलश्रेष्ठ तथा प्रकाश गुप्ता का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन रंगकर्मी तपन भट्ट द्वारा किया गया।

डॉग लवर्स ने 541 डॉग्स का कराया निःशुल्क वैक्सीनेशन

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। पिटबुल के हमले की घटना के बाद लोग बच्चो की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। कॉलोनी और सोसाइटी ने अपने स्तर पर सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में आगे ध्यान देते हुए । वैशाली नगर स्थित डॉग्स वर्ल्ड एवं राजस्थान कैनल क्लब के संयुक्त तत्वावधान से जयपुर के डॉग लवर्स ने अपने डॉग के लिए आयोजित निःशुल्क वेक्सीनेशन शिविर में वैक्सीन लगवाई। रविवार को आयोजित शिविर में 541डॉगस् ने वेक्सीनेशन करवाया। इस दौरान शिविर के आखिरी में पिटबुल ने भी वेक्सीनेशन करवाया। वैक्सीनेशन के दौरान प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहे अकीटा, डाल मिशन, साइबेरियन हस्की, जर्मन शेफर्ड, लैबराडोर, बीगल ने भी सफलतापूर्वक वैक्सीनेशन करवाया। डॉग्स वर्ल्ड के निदेशक वीरेंद्र भारद्वाज ने बताया कि इस दौरान विभिन्न प्रकार के वैक्सीन लगाई गई जिसमें टेन इन वन,कोरोनावायरस, एंटी रेबीज,डिवार्विंग प्रमुख थी। राजस्थान केनेल क्लब के सेक्रेटरी वीरेंद्र भारद्वाज ने बताया कि वैक्सीनेशन के साथ-साथ फ्री चेकअप, पेडिग्री के रजिस्ट्रेशन और माइक्रोचिप भी लगाई गई।

कॉलेज में एडमिशन के लिए होगी मारामारी

12वीं में 98% छात्र फर्स्ट डिवीजन से पास, कट ऑफ हाई रहने के आसार; अगस्त के पहले सप्ताह से शुरू हो सकती है एडमिशन प्रोसेस

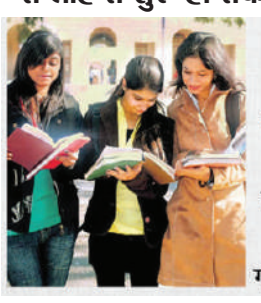

लड़कियों ने मारी बाजी

आर्ट्स में पास
गर्ल्स 99.4%, बॉयज 98.97%

कॉमर्स में पास
गर्ल्स 99.76%, बॉयज 99.72%

साइंस में पास
गर्ल्स 99.60%, बॉयज 99.48%

निजी संवाददाता

अजमेर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (RBSC) की ओर से जारी 12वीं के रिजल्ट के बाद अब कॉलेज में एडमिशन के लिए जद्दोजहद करना होगा। बेहतर रिजल्ट होने के कारण आवेदन करने वालों की संख्या भी ज्यादा हो जाएगी। इसलिए कट ऑफ परेसेन्टेज भी हाई रहने की उम्मीद है। ऐसे में स्नातक प्रथम वर्ष में एडमिशन के लिए मारा-मारी की स्थिति बननी तय है। हालांकि कॉलेजों में अभी प्रवेश प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। अगस्त के पहले सप्ताह में प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने के आसार हैं। सीटों को बढ़ाए जाने को लेकर उच्च शिक्षा विभाग ने अभी कोई निर्णय नहीं किया है, लेकिन जरूरत पड़ने पर सीटें बढ़ाने की बात कही जा रही है।

उच्च शिक्षा विभाग के अधीन प्रदेश में 311 सरकारी कॉलेज है, जहां पर स्नातक प्रथम वर्ष में 1 लाख 91 हजार 271 सीट है। इसके अलावा प्रदेश में करीब एक हजार से ज्यादा प्राइवेट कॉलेज भी हैं। इनमें 2 लाख से ज्यादा सीटे हैं। 12वीं का रिजल्ट घोषित होने के बाद इन कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया शुरू होती है।

पास भी ज्यादा, प्रतिशत भी हाई: अन्य वर्षों के मुकाबले इस बार 12वीं में पास होने वालों की संख्या भी ज्यादा है और उनका मार्क्स प्रतिशत भी हाई है। परीक्षा में बैठने वालों में से करीब 98 प्रतिशत से ज्यादा विद्यार्थी फर्स्ट डिवीजन से पास हुए हैं। राजस्थान बोर्ड ने तय फार्मूला के तहत परिणाम जारी किया और सीबीएसई का परिणाम भी कुछ इस तरह का ही रहेगा। ऐसे में कॉलेज में एडमिशन आसान नहीं होगा। कट ऑफ मार्क्स प्रतिशत हाई रहेगा।

रिजल्ट का इंतजार

उच्च शिक्षा आयुक्तालय जयपुर के एकेडमिक जॉइंट डायरेक्टर सोमित्र नाथ झा ने बताया कि राजस्थान बोर्ड ने रिजल्ट अभी घोषित किया है। सीबीएसई का रिजल्ट अब आएगा। अन्य बोर्ड के रिजल्ट भी आने हैं। सभी बोर्ड के रिजल्ट आने का इंतजार है। इस माह के अंत तक आ जाएंगे तो अगले माह की शुरुआत में ही एडमिशन प्रोसेस शुरू कर देंगे। जहां तक सीटें बढ़ाने का सवाल है तो जरूरत व मांग के अनुसार सीटें बढ़ाने पर फैसला होगा।

कारगिल विजय दिवस पर 'इंस्पायरिंग स्टोरीज़ फ्रॉम कारगिल' विषय पर वर्चुअल सैशन आयोजित

कारगिल की जीत में राजस्थान के सैनिकों का एक बहुत बड़ा योगदान रहा है

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आज राजस्थान विश्वविघालय और 1 राज आर्म्ड स्कवॉड्रन एनसीसी जयपुर ने ब्रेवहार्ट सोल्जर फाउण्डेशन के सहयोग से 'इंस्पायरिंग स्टोरीज़ फ्रॉम कारगिल' विषय पर एक वर्चुअल सैशन का आयोजन किया। यह वर्चुअल सैशन का जूम प्लेटफॉर्म पर आयोजित किया गया। सैशन में मुख्य स्पीकर्स के रूप में राजस्थान विश्वविघालय के वाईस चांसलर प्रो. राजीव जैन, राजस्थान विश्वविघालय के एनसीसी ऑफिसर इंचार्ज कैप्टन राजेश कुमार शर्मा और ब्रेवहार्ट सोल्जर फाउण्डेशन के डायरेक्टर अनुज शर्मा कार्यक्रम में उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप में सोशल एक्टिविस्ट विकास मनहास ने की-नोट एड्रैस प्रस्तुत किया।

राजस्थान विश्वविघालय के एनसीसी ऑफिसर इंचार्ज कैप्टन राजेश कुमार शर्मा ने कार्यक्रम की महता पर प्रकाश डालते हुये बताया कि कारगिल विजय दिवस हमारे शुरवीरों और उनके परिवार के प्रति एक

कृतज्ञ दिवस भी है। भारत के वीर सैनिकों ने अदम्य साहस और बलिदान से कारगिल कारगिल की चोटियों पर इतिहास रच दिया है। देश के उज्जवल भविष्य के लिये हम सभी अपने-अपने कार्यों और कर्तव्यों को ईमानदारीपूर्वक पालन करते है।

राजस्थान विश्वविघालय के वाईस चांसलर प्रो. राजीव जैन ने अपने संबोधन में कहा कि, राजस्थान की पहचान उसके वीरों और उनके कर्तव्यपराणयता से है। इन अदम्य गाथाओं से भविष्य की पीढ़ी को मार्गदर्शन और प्रेरणा मिलती है। हम सभी लोगों को पूर्व सैनिकों और शहीदों के परिजनों के प्रति समर्पित रहना चाहिये।

विकास मनहास ने कारगिल के दिनों को याद करते हुये सैनिकों की शौर्यगाथा के बारें में बताया कि, कारगिल की जीत में राजस्थान के सैनिकों का एक बहुत बड़ा योगदान रहा है। जयपुर के कैप्टन अमित भारद्वाज के शौर्य व उनके परिवार के बलिदान को अपने शब्दों में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपने आस-पास के शहीद परिवारों के संपर्क में रहना चाहिए तथा उनका हौंसला बढ़ाना चाहिये।

ब्रेवहार्ट सोल्जर फाउण्डेशन के डायरेक्टर अनुज शर्मा ने कहा कि, शहीदों और उनके परिवारजनों तथा पूर्व सैनिकों के कल्याण संबंधी कार्यों के लिये हम सभी आम नागरिकों को सजग और सक्रिय होना होगा।

नेट-थियेट पर जीवंत हुये कबीर

गुरू गोविन्द दोउ खड़े काके लागूं पांय, बलिहारी गुरू आपके गोविन्द दियो बताय

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। नेट-थियेट पर गुरू पुर्णिमा के अवसर पर संत कबीर के दोहे और भजनों से गुरूजनों को श्रद्धाभाव से सुमिरन किया। कार्यक्रम की श्रृंखला में आज राज्य के उभरते गायक गौरव भट्ट ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत कबीर के चर्चित दोहों एवं भजन क्या लेकर आया रे बंदे, जगत में क्या लेकर जायेगा सुनाकर अपनी मखमली आवाज से कार्यक्रम की समां बांध दी। नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि गायक गौरव ने संत कबीर की सुप्रसिद्ध रचनाओं में मोको कहां ढूंढे रे बंदे, मै तो तेरे पास में, क्या लेकर आया जगत में क्या लेकर जायेगा, सुना कर दर्शको को बांधे रखा। गौरव ने अपनी सुरीली आवाज में मत कर माया का अहंकार सुनाया और अंत में लोकप्रिय भजन चदरीया झीनी रे झीनी, ज्यो कि त्यों धर दीनी गा कर माहौल को कबीरमयी बना दिया। कार्यक्रम में कीबोर्ड पर जिम्मी थॉमस ने अपनी उंगलियों का जादू ऐसा दिखाया कि दर्शक वाह-वाह करने लगे वहीं तबले पर महेन्द्र सिंह, बांसुरी पर हेमन्त शर्मा, गिटार पर कार्तिक भट्ट तथा कजोन पर जुगल ने सधी हुयी संगत कर कबीर की वाणी को जीवंत किया। मंच संचालन हेमंत थपलियाल ने किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **रिज़वान एजाज़ी के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं महिमा क्लासिक 601, बी-84, रमन मार्ग, तिलक नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, फोन : 0141-2620340 मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**